

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

समक्ष : अशोक शिवहरे

सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 2757/दो/2012 विरुद्ध आदेश दिनांक 09-05-2012
-पारित-अपर कलेक्टर, सागर - प्रकरण क्रमांक 65 अ 70/2010-11 निगरानी

श्रीमती मंगला पत्नि घनश्याम भिडे
निवासी विद्यापुरम कालोनी, मकरोनिया
तहसील व जिला सागर मध्य प्रदेश

—आवेदिका

विरुद्ध

डॉ० जयश्री पुरोहित पुत्री आर.सी.पुरोहित
निवासी कृष्णागंज बाई सागर, म०प्र०

—अनावेदिका

आवेदिका के अभिभाषक श्री के.व्ही.एस.ठाकुर

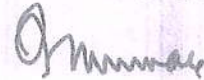
अनावेदिका के विरुद्ध पूर्व से एकपक्षीय

आदेश

(आज दिनांक 29-4-2014 को पारित)

यह निगरानी अपर कलेक्टर, जिला सागर द्वारा प्रकरण क्रमांक 65 अ 70/2010-11 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 09-05-2012 के विरुद्ध म०प्र०भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारोँश यह है कि अनावेदिका ने तहसीलदार सागर के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर मांग की कि मौजा मकरोनिया स्थित आराजी क्रमांक 151/38, 151/39, 151/40, 153/2 में से रकबा 2080 वर्गफुट उसके द्वारा कय किया गया है किन्तु आवेदिका द्वारा इस भूखंड के 10X65 वर्गफुट (आगे जिसे वादग्रस्त भूमि सम्बोधित किया गया है) पर की गई तार फेंसिंग उखाड़कर बाउन्ड्री बनाकर आवेदिका ने अतिक्रमण कर लिया है जिसे हटाया



जावे। तहसीलदार सागर ने प्रकरण कमांक 15 अ 70/2009-10 पंजीबद्ध किया तथा सुनवाई प्रारंभिक की। सुनवाई के दौरान आवेदिका ने आपत्ति प्रस्तुत की कि कब व किस दिनांक को अनावेदिका के विवादित प्लॉट की फेंसिंग उखाड़कर बाउन्ड्री वाल बनाकर अतिक्रमण किया है अभिकथनों के अभाव में प्रकरण का वाद हेतुक उत्पन्न होना प्रकट नहीं है इसलिये इसी स्टेज पर प्रकरण समाप्त किया जाय। तहसीलदार सागर ने सुनवाई उपरांत अंतरिम आदेश दिनांक 15-7-11 पारित किया एवं आवेदिका द्वारा प्रस्तुत आपत्ति अमान्य कर जवाब हेतु प्रकरण आगे तिथि में नियत किया। इस आदेश के विरुद्ध अपर कलेक्टर, सागर के समक्ष निगरानी होने पर प्रकरण कमांक 65 अ 70/2010-11 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 09-05-2012 से निगरानी निरस्त की गई। इसी आदेश से परिवेदित होकर यह निगरानी है।

3/ निगरानी मेमो में उठाये गये बिन्दुओं पर आवेदिका के अभिभाषक के तर्क श्रवण किये तथा अधीनस्थ न्यायालयों के अभिलेख का अवलोकन किया। अनावेदिका बाबजूद सूचना अनुपस्थित रहने से एकपक्षीय है।

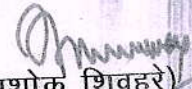
4/ आवेदिका के अभिभाषक द्वारा दिये गये तर्कों पर विचार करने एवं उपलब्ध अभिलेख के अवलोकन से पाया गया कि अनावेदिका ने स्वयं के नाम के 2080 वर्गफुट में से 10X65 वर्गफुट की तारफेंसिंग हटाकर एवं बाउन्ड्री वाल बनाकर आवेदिका द्वारा अतिक्रमण करने के कारण अतिक्रमण हटाने हेतु तहसीलदार के समक्ष संहिता की धारा 250 के अंतर्गत आवेदन दिया है और वास्तविक स्थिति जानने के लिये तहसीलदार ने पटवारी को मौके पर भेजकर जांच कराई है जिसमें अनावेदिका के भूखंड में से 10X65 वर्गफुट की तारफेंसिंग हटाकर एवं बाउन्ड्री वाल (गैरिज) बनाकर अतिक्रमण करने का प्रतिवेदन पटवारी ने दिया है जिस पर आवेदिका ने तहसीलदार के समक्ष आपत्ति की, कि अतिक्रमण कब किया गया ? - अनावेदिका द्वारा स्पष्ट न करने से संहिता की धारा 250 के अंतर्गत प्रस्तुत दावा निरस्त किया जाय। पटवारी प्रतिवेदन से

Amrinder

अतिक्रमण करना स्पष्ट हुआ है एवं अनावेदिका द्वारा दावे के साथ प्रस्तुत अभिलेख से वादग्रस्त भूखंड अनावेदिका के स्वत्व एवं स्वामित्व का होना प्रमाणित हुआ है, आवेदिका वादग्रस्त भूखंड के अंशभाग अर्थात् 10X65 वर्गफुट का अतिक्रमणकर्ता होना जांच में पाई गई है जिसके कारण तहसीलदार के अंतरिम आदेश दिनांक 15-7-11 को उचित पाकर अपर कलेक्टर सागर ने हस्तक्षेप योग्य नहीं माना है।

5/ तहसीलदार सागर के प्रकरण कमांक 15 अ 70/2009-10 के अवलोकन पर पाया गया कि उन्होंने उभय पक्ष की सुनवाई उपरांत अंतिम आदेश दिनांक 23-2-13 से संहिता की धारा 250 के अंतर्गत अनावेदिका द्वारा प्रस्तुत मूल दावे का निराकरण कर दिया, जिसके कारण भी विचाराधीन निगरानी सारहीन हो चुकी है।

6/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी सारहीन पाये जाने से निरस्त की जाती है। फलतः कलेक्टर, जिला सागर द्वारा प्रकरण कमांक 65 अ 70/2010-11 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 09-05-2012 स्थिर रहता है।


(अशोक शिवहरे)
सदस्य
राजस्व मंडल
मध्य प्रदेश ग्वालियर